

पंछी तो उड़ गया पिंजरा को छोड़ के भजन लिरिक्स



रंग महल के,
दस दरवाजे तोड़ के,
पंछी तो उड़ गया,
पिंजरा को छोड़ के।

तर्ज – कागा तो उड़ गया ।
देखे – उड़ चल अपने देश पंछी रे ।

ये दुनिया दो दिन का मेला,
समझो उड़ जाना है अकेला,
रिश्ते नाते यही पे रह जायेंगे,
तेरे सगे सम्बन्धी काम नहीं आयेंगे,
नेकी न करियो कभी भी तोल तौल के,
पंछी तो उड़ गया,
पिंजरा को छोड़ के।

राम नाम है सबसे प्यारा,
मिल जाए वैकुण्ठ का द्वारा,
सुबह शाम आठों याम राम नाम कहिए,
जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए,
प्रभु के दरस हो घुघट पट खोल के,
पंछी तो उड़ गया,
पिंजरा को छोड़ के।

सत संगत संतन की कर ले,
गुरु चरणन में चित को धर ले,
सतगुरु तुझको राह दिखाए,
जीवन के तेरे 'राजू' अंधेरे मिटाए,
माया नगरिया में इत उत डोल के,
पंछी तो उड़ गया,
पिंजरा को छोड़ के।

रंग महल के,
दस दरवाजे तोड़ के,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

पिंजरा को छोड़ के।bd।



लेखक / गायक – राजू बिदुआ ।
देवरा छतरपुर ।
मो. 9179117103
